संस्कृत प्रतिष्ठा (प्रथम खंड)
द्वितीय पत्र

1. मेघदूतम् के रचयिता हैं–
   (क) कालिदास (ख) भारवि (ग) माघ (घ) भवभूति
2. मेघदूत कितने भागों में रचित है–
   (क) चार (ख) पाँच (ग) दो (घ) सात
3. मेघदूत किस विधा का काव्य है–
   (क) महाकाव्य (ख) आख्यायिका (ग) चम्पूकाव्य (घ) खण्डकाव्य
4. महाकवि कालिदास द्वारा रचित प्रामाणिक ग्रंथों की संख्या है–
   (क) चार (ख) सात (ग) दो (घ) पाँच
5. पूर्वमेघ में श्लोकों की संख्या है–
   (क)66 (ख) 55 (ग) 70 (घ) 100
6. यक्ष किसका सेवक था–
   (क) इन्द्र का (ख) कृष्ण का (ग) कुबेर का (घ) शिव का
7. यक्ष के निर्वासन की अवधि थी–
   (क) एक वर्ष (ख) दो वर्ष (ग) तीन वर्ष (घ) चार वर्ष
8. निर्वासन अवधि में यक्ष का निवास स्थान था–
   (क) उज्जैन (ख) कश्मीर (ग) रामेश्वर (घ) रामगिरि
9. यक्षिणी का निवास स्थान था–
   (क) मायापुरी (ख) अलकापुरी (ग) जगन्नाथपुरी (घ) स्वप्नपुरी
10. यक्ष ने अपने विरह–संदेश पहुँचाने का आग्रह किससे किया–
    (क) मेघ से (ख) हंस से (ग) कपोत से (घ) शुक से
11. सम्पूर्ण मेघदूत में किस छन्द का प्रयोग है–
    (क) आर्या (ख) इन्द्रवज्रा (ग) मन्दाक्रान्ता (घ) शिखरिणी
12. रामगिरि से अलकापुरी किस दिशा में वर्णित है–
    (क) पूर्व में (ख) पश्चिम में (ग) उत्तर में (घ) दक्षिण में
13. मेघ को रामगिरि से प्रस्थान कर सर्वप्रथम किस क्षेत्र में पहुँचाना है–
    (क) माल क्षेत्र (ख) विन्ध्यपर्वत क्षेत्र (ग) उज्जैन (घ) पुण्यक्षेत्र
14. आम्रकूट पर्वत का वर्णन किस ग्रन्थ में है ?
    (क) रघुवंश (ख) मेघदूत (ग) किरातार्जुनीयम् (घ) भगवद्गीता
15. विन्ध्याचल के चरणों में फैली हुई किस नदी का उल्लेख है–
    (क) गंगा (ख) यमुना (ग) नर्मदा (घ) सरस्वती
16. वेत्रवती नदी के तट पर कौन–सी नगरी वर्णित है–
    (क) विदिशा (ख) रामटेक (ग) वाराणसी (घ) कैलाशपुरी
17. उज्जयिनी किस नदी के तट पर अवस्थित बताई गई है–
    (क) नर्मदा (ख) शिप्रा (ग) गंगा (घ) यमुना

18. यक्ष ने मेघ को महाकाल शिव को किस आरती में भाग लेने के लिए कहा है–
(क) प्रातःकालीन (ख) मध्याह्न (ग) सांध्यकालीन (घ) रात्रिकालीन
19. अलका किस पर्वत के अंक में बसी हुई बताई गई है–
(क) रामगिरि (ख) विन्ध्याचल (ग) आम्रकूट (घ) कैलाश
20. 'प्रत्यासन्ने नभसि' में नभसि से अभिप्राय किस मास से है–
(क) आश्विन (ख) श्रावण (ग) कार्तिक (घ) फाल्गुन
21. 'धूमज्योतिःसलिलमरूताम् सन्निपातः' किसे कहा गया है ?
(क) मेघ को (ख) यक्ष को (ग) यक्षिणी को (घ) कुबेर को
22. पुष्कर और आवर्तक कुल का सम्बन्ध किससे है ?
(क) यक्ष से (ख) कुबेर से (ग) नदी से (घ) मेघ से
23. 'सहसा विदधीत न क्रियाम्' किस कवि की उक्ति है–
(क) भारवि (ख) भास (ग) कालिदास (घ) अश्वघोष
24. भारवि किसके उपासक थे ?
(क) विष्णु (ख) ब्रह्मा (ग) शिव (घ) पार्वती
25. वृहत्त्रयी में कौन–सा महाकाव्य नहीं है–
(क) किरातार्जुनीयम् (ख) शिशुपालवधम्
(ग) नैषधीयचरितम् (घ) रघुवंशम्
26. किरातार्जुनीयम् कितने सर्गों का महाकाव्य है–
(क) 17 (ख) 18 (ग) 19 (घ) 20
27. अर्थगौरव के लिए कौन से कवि प्रसिद्ध हैं ?
(क) कालिदास (ख) भास (ग) भारवि (घ) माघ
28. ''न नोननुन्नो नुन्नोनो नाना नानानना ननु'' किस कवि की पंक्ति है–
(क) भारवि (ख) माघ (ग) अश्वघोष (घ) कालिदास
29. ''व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः'' सूक्ति किस कवि की है–
(क) माघ (ख) व्यास (ग) कालिदास (घ) भारवि
30. 'मित्रलाभमनु लाभसम्पदः' किस ग्रन्थ की सूक्ति है–
(क) पंचतंत्रम् (ख) किरातार्जुनीयम् (ग) हितोपदेशः (घ) रघुवंशम्
31. किस महाकाव्य के प्रथम तीन सर्गों को 'पाषाणत्रय' कहा जाता है–
(क) कुमारसम्भवम् (ख) किरातार्जुनीयम् (ग) रघुवंशम् (घ) शिशुपालवधम्
32. उपमा, अर्थगौरव और पदलालित्य– ये तीनों किस महाकाव्य में है–
(क) शिशुपालवधम्
(ख) किरातार्जुनीयम्
(ग) बुद्धचरितम्
(घ) नैषधीयचरितम्

33. माघ का समय माना जाता है–
(क) 675 ई. के लगभग (ख) 650 ई0 के लगभग
(ग) 700 ई. के लगभग (घ) इनमें से कोई नहीं
34. शिशुपालवधम् महाकाव्य में कितने सर्ग हैं–
(क) 16 (ख) 17 (ग) 18 (घ) 20
35. शिशुपालवधम् महाकाव्य का अंगीरस कौन है ?
(क) श्रृंगार (ख) वीर (ग) हास्य (घ) शान्त
36. ''विभावी विभवी भाभो विभाभावी विवो विभीः' यह दो वर्णों वाला श्लोक किस कवि का है ?
(क) भारवि (ख) कालिदास (ग) माघ (घ) अश्वघोष
37. 'नवसर्गगते माघे नव शब्दो न विद्यते' किससे संबंधित है–
(क) शिशुपालवधम् (ख) मेघदूतम् (ग) किरातार्जुनीयम् (घ) रघुवंशम्
38. कालिदास के जीवन के सम्बन्ध में जानकारी मिलती है–
(क) अन्तःसाक्ष्य के आधार पर (ख) बाह्य साक्ष्य के आधार पर
(ग) पूर्ववर्ती कवियों के आधार पर (घ) परवर्ती कवियों के आधार पर
39. विद्योत्तमा वृत्त का सम्बन्ध किस कवि से है–
(क) भारवि (ख) माघ (ग) कालिदास (घ) भवभूति
40. 'अनावृतकपाटं द्वारं देहि' किसने कहा–
(क) भारवि ने (ख) कालिदास ने (ग) दण्डी ने (घ) माघ ने
41. मेघदूत कितने खण्डों में विभक्त है–
(क) 2 (ख) 3 (ग) 4 (घ) 5
42. 'आषाढस्य प्रथमदिवसे' किस ग्रंथ से उद्धृत है–
(क) रघुवंश (ख) कुमारसंभवम् (ग) मेघदूतम् (घ) किरातार्जुनीयम्
43. मेघदूतम् का उपजीव्य है–
(क) रामायण (ख) महाभारत (ग) वेद (घ) भगवद्गीता
44. रामगिरि से अलकापुरी तक के मार्ग का विवरण उपलब्ध होता है–
(क) उत्तरमेघ में (ख) पूर्वमेघ में (ग) ऋतुसंहार में (घ) रघुवंश में
45. मेघदूत में नायक है–
(क) यक्ष (ख) कुबेर (ग) मेघ (घ) हंस
46. मेघदूत की नायिका है–
(क) दूती (ख) यक्षिणी (ग) सीता (घ) शिप्रा
47. 'मेघालोके भवति सुखिनोऽप्यन्यथावृत्तिचेतः''उक्ति किस कवि की है–
(क) भारवि (ख) माघ (ग) कालिदास (घ) श्रीहर्ष
48. 'कामार्त्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु' उक्ति किस ग्रंथ में है–
(क) मेघदूत (ख) किरातार्जुनीयम् (ग) शिशुपालवधम् (घ) रघुवंशम्
49. 'रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय' उक्ति किसकी है–
(क) माघ (ख) हर्ष (ग) भारवि (घ) कालिदास

50. 'याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा' उक्ति किस काव्य में है–
(क) किरातार्जुनीयम् (ख) शिशुपालवधम् (ग) मेघदूतम् (घ) रघुवंशम्
51. 'सूर्यापाये न खलु कमलं पुष्यति स्वामभिरव्याम्'– सूक्ति किस काव्य में है–
(क) मेघदूतम् (ख) किरातार्जुनीयम् (ग) रघुवंशम् (घ) बुद्धचरितम्
52. 'आशाबन्धः कुसुमसदृशं प्रायशो ह्यङ्गनानां,
सद्यः पाति प्रणयि हृदयं विप्रयोगे रूणद्धि।।– किस काव्य में है–
(क) जानकीहरणम् (ख) बुद्धचरितम् (ग) कुमारसंभवम् (घ) मेघदूतम्
53. ''यक्षश्चक्रे जनकतनयास्नानपुण्योदकेष''– किस ग्रन्थ से उद्धृत है–
(क) किरातार्जुनीयम् (ख) मेघदूतम् (ग) रघुवंशम् (घ) गीता
54. ''न क्षुद्रोऽपि प्रथम सुकृतापेक्षया संश्रयाय
(क) शिशुपालवधम् (ख) किरातार्जुनीयम् (ग) मेघदूतम् (घ) रघुवंशम्
55. 'रेवां द्रक्ष्यस्युपलविषमे विन्ध्यपादे विशीर्णां' किस काव्य में है–
(क) मेघदूतम् (ख) पवनदूतम् (ग) हंसदूतम् (घ) शिशुपालवधम्
56. 'मन्दं मन्दं नुदति पवनश्चानुकूलो यथा त्वां
वामश्चायं नदति मधुरं चातकस्ते सगन्धः।'' किस काव्य से है–
(क) किरातार्जुनीयम् (ख) मेधदूतम् (ग) शिशुपालवधम् (घ) कुमारसंभवम्
57. 'कः सन्नद्धे विरहविधुरां त्वय्युपेक्षेत जायां,
न स्यादन्योऽप्यहमिव जनो यः पराधीनवृत्तिः।। किस काव्य से है–
(क) बुद्धचरितम् (ख) किरातार्जुनीयम् (ग) शिशुपालवधम् (घ) मेघदूतम्
58. 'तां चावश्यं दिवसगणनात्परामेकपत्नीम्' यहाँ एकपत्नी से अभिषेत है–
(क) यक्षिणी (ख) विन्ध्याटवी (ग) नर्मदा (घ) शिप्रा
59. 'कश्चित्कान्ताविरहगुरूणा स्वाधिकारात्प्रमत्तः' – यहाँ 'कश्चित्' पद से किसे इंगित किया गया है–
(क) यक्ष (ख) कुबेर (ग) आम्रकूट (घ) कैलाशपर्वत
60. यक्ष मेघ के द्वारा क्या भेजना चाहता है–
(क) उपहार (ख) जल (ग) संदेश (घ) पुष्प
61. निर्विन्ध्या है–
(क) नदी (ख) पर्वत (ग) आश्रम (घ) समुद्र
62. इनमें से कौन भारवि की रचना है ?
(क) शिशुपालवधम् (ख) किरातार्जुनीयम्
(ग) नैषधीयचरितम् (घ) कादम्बरी
63. किस कवि के लिए उपनाम 'आतपत्र' का प्रयोग हुआ है–
(क) भारवि (ख) माघ (ग) कालिदास (घ) अश्वघोष
64. किरातार्जुनीयम् का उपजीव्य है–
(क) महाभारत (ख) रामायण (ग) वृहत्कथा (घ) रामचरितमानस
65. किरातार्जुनीयम् का विभाजन है–
(क) अध्यायों में (ख) काण्डों में (ग) सर्गों में (घ) उच्छ्वासों में

66. किरातार्जुनयीम् का प्रधान रस है–
(क) करूण (ख) श्रृंगार (ग) हास्य (घ) वीर
67. किरातार्जुनीयम् में प्रयुक्त रीति है–
(क) वैदर्भी (ख) गौड़ी (ग) पांचाली (घ) इनमें से कोई नहीं
68. किरातार्जुनीयम् के नायक हैं–
(क) कृष्ण (ख) अर्जुन (ग) युधिष्ठिर (घ) दुर्योधन
69. किरातार्जुनीयम् की नायिका है–
(क) द्रौपदी (ख) कुन्ती (ग) गांधारी (घ) सीता
70. वनवास के क्रम में पाण्डवों का निवास था–
(क) चम्पकवन (ख) अभयारण्य (ग) दण्डकारण्य (घ) द्वैतवन
71. घूतक्रीड़ा में हार के पश्चात् कितने वर्ष के लिए युधिष्ठिर को वनवास मिला था–
(क) 10 वर्ष (ख) 11 वर्ष (ग) 13 वर्ष (घ) 14 वर्ष
72. युधिष्ठिर द्वारा नियुक्त गुप्तचर कौन था–
(क) वनेचर (ख) वानर (ग) घटोत्कच (घ) सहदेव
73. वनेचर के अनुसार दुर्योधन की शासनव्यवस्था थी–
(क) अच्छी (ख) बुरी (ग) निन्दनीय (घ) क्रूर
74. वनेचर के अनुसार दुर्योधन की सेना थी–
(क) सबल (ख) निर्बल (ग) उदासीन (घ) कायर
75. दुर्योधन की शासनप्रणाली के सम्बन्ध में वनेचर ने किसे बताया–
(क) द्रौपदी को (ख) अर्जुन को (ग) युधिष्ठिर को (ग) भीम को
76. किरातार्जुनीयम् का प्रारंभ किस पद से हुआ है–
(क) कश्चित् (ख) श्रियः (ग) महीं (घ) प्रजासु
77. किरातार्जुनयीम् के प्रथम श्लोक में कौन–सा छन्द प्रयुक्त है–
(क) इन्द्रवज्रा (ख) उपेन्द्रवज्रा (ग) मन्दाक्रान्ता (घ) वंशस्थ
78. द्वैतवने में कौन सी विभक्ति है–
(क) द्वितीया (ख) चतुर्थी (ग) सप्तमी (घ) तृतीया
79. 'समाययौ' का अर्थ है–
(क) संप्राप्तवान् (ख) पठितवान् (ग) नियुक्तवान् (घ) कथितवान्
80. 'नहि प्रियं प्रवक्तुमिच्छति मृषा हितैषिणः' किस काव्य से उद्धृत है–
(क) शिशुपालवधम् (ख) दशाकुमारचरितम्
(ग) किरातार्जुनीयम् (घ) रघुवंशम्
81. 'प्रवक्तुम्' में कौन–सा प्रत्यय है–
(क) तुमुँन् (ख) ल्यप् (ग) तरप् (घ) ण्वुल
82. 'द्विषाम्' में कौन–सी विभक्ति है–
(क) प्रथमा (ख) द्वितीया (ग) षष्ठी (घ) चतुर्थी
83. 'भूभृतः' का अर्थ है–
(क) प्रजा (ख) राजा (ग) सेना (घ) भयानक

84. 'क्रियासु युक्तैर्नृपचारचक्षुषो न व चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः' यह किस काव्य से उद्धृत हैं–
(क) किरातार्जुनयीम् (ख) शिशुपालवधम् (ग) नीतिशतकम् (घ) मेघदूतम्
85. 'हतं मनोहरि च दुर्लभं वचः' सूक्ति किस कवि की है–
(क) कालिदास (ख) माघ (ग) भारवि (घ) अश्वघोष
86. 'स किंसरवा साधु न शास्ति योऽधिपं, हितान्न यः संशृणुते स किंप्रभुः।' किस कवि का कथन है–
(क) भारवि (ख) माघ (ग) कालिदास (घ) भर्तृहरि
87. 'किंसखा' का अर्थ है–
(क) कुत्सित मित्र (ख) कुत्सित राजा (ग) कुत्सित प्रजा (ग) कुत्सित कर्म
88. 'निसर्गदुर्बोधमबोधविक्लवाः, क्व भूपतीनां चरितं क्व जन्तवः' यह किसने कहा–
(क) युधिष्ठित ने (ख) अर्जुन ने (ग) वनेचर ने (घ) द्रौपदी ने
89. 'नयवर्त्म' का अर्थ है–
(क) नया काम (ख) नीति का मार्ग (ग) नीति रहित (घ) अन्याय
90. 'विशंकमानो भवतः पराभवं, नृपासनस्थोऽपि वनाधिवासिनः– यह पंक्ति किस काव्य से गृहीत है–
(क) मेघदूतम (ख) नीतिशतकम् (ग) पंचतन्त्रम् (घ) किरातार्जुनीयम्
91. जहाँ वाक्य या पद के अर्थ से कारण का उपन्यास हो वहाँ कौन सा अलंकार होता है–
(क) अर्थान्तरन्यास (ख) काव्यलिंग (ग) उत्प्रेक्षा (घ) दीपक
92. 'वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः– सूक्ति किस कवि की है–
(क) कालिदास (ख) माघ (ग) हर्ष (घ) भारवि
93. 'नारिकेलफलसम्मितं वचः' किस कवि के लिए कहा गया है–
(क) माघ (ख) श्रीहर्ष (ग) कालिदास (घ) भारवि
94. 'गुणानुरोधेन विना न सत्क्रिया' किसकी उक्ति है–
(क) भारवि (ख) माघ (ग) कालिदास (घ) दण्डी
95. 'अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता' किस कवि की उक्ति है–
(क) माघ (ख) भारवि (ग) कालिदास (घ) दण्डी
96. 'प्रवृत्तिसाराः खलु मादृशां गिरः' किसका कथन है–
(क) कालिदास (ख) माघ (ग) भारवि (घ) श्रीहर्ष
97. 'व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं, भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः – किस ग्रंथ से उद्धृत है–
(क) किरातार्जुनीयम् (ख) मेघदूतम् (ग) शिशुपालवधम् (घ) रघुवंशम्
98. 'अबन्ध्यकोपस्य विहन्तुरापदां, भवन्ति वश्याः स्वयमेव देहिनः। – किसकी उक्ति है– ?
(क) माघ (ख) कालिदास (ग) भारवि (घ) भवभूति
99. 'अमर्षशून्येन जनस्य जन्तुना न जातहार्देन न विद्विषादरः।
(क) माघ (ख) भारवि (ग) भवभूति (घ) व्यास

100. 'विचित्ररूपाः खलु चित्तवृत्तयः'– किसकी उक्ति है–
(क) श्री हर्ष (ख) कालिदास (ग) भवभूति (घ) भारवि
101. 'परैरपर्यासितवीर्यसम्पदां पराभवोऽप्युत्सव एव मानिनाम्'– किस काव्य से गृहीत है–
(क) मेघदूतम् (ख) किरातार्जुनीयम् (ग) रघुवंशम् (घ) नीतिशतकम्
102. 'व्रजन्ति शत्रूनवधूय निस्पृहाः शमेन सिद्धिं मुनयो न भूभृतः'– यह पद्यांश कहाँ से लिया गया है–
(क) किरातार्जुनीयम् (ख) शिशुपालवधम् (ग) मेघदूतम् (घ) रघुवंशम्
103. 'निराश्रया हन्त हता मनस्विता।' किस कवि की उक्ति है–
(क) कालिदास (ख) भारवि (ग) माघ (घ) अश्वघोष
104. 'अरिषु हि विजयार्थिनः क्षितीशा विदधति सोपधि सन्धिदषणानि' किस काव्य से संगृहीत है–
(क) मेघदूतम् (ख) हरविजयम् (ग) किरातार्जुनीयम् (घ) शिशुपालवधम्
105. इनमें से किस काव्य में 18 सर्ग हैं ?
(क) शिशुपालवधम् (ख) हरविजयम्
(ग) नैषधीयचरितम् (घ) किरातार्जुनीयम्
106. किरातार्जुनीयम् किस विधा का काव्य है–
(क) महाकाव्य (ख) गीतिकाव्य (ग) रूपक (घ) चम्पू
107. संस्कृत काव्यों में अर्थगौरव के लिए प्रसिद्ध काव्य है–
(क) शिशुपालवधम् (ख) रघुवंशम्
(ग) किरातार्जुनीयम् (घ) नैषधीयचरितम्
108. वनेचर और युधिष्ठिर का संवाद किरातार्जुनीयम् के किस सर्ग में हैं–
(क) प्रथम सर्ग (ख) द्वितीय सर्ग (ग) तृतीय सर्ग (घ) चतुर्थ सर्ग
109. वनेचर से प्राप्त समाचार युधिष्ठिर से सुनकर द्रौपदी की मनोदशा थी–
(क) प्रसन्न (ख) क्षुब्ध (ग) हर्षित (घ) आनंद
110. द्रौपदी ने किरातार्जुनीयम् में युधिष्ठिर से सुनकर द्रौपदी की मनोदशा थी–
(क) शीघ्र युद्ध करने का (ख) सन्धि करने का
(ग) क्षमा मांगने का (घ) प्राण त्याग करने का
111. इनमें से कौन–सा काव्य लघुत्रयी में परिगणित नहीं है–
(क) रघुवंशम् (ख) कुमारसंभवम् (ग) मेघदूतम् (घ) किरातार्जुनीयम्
112. किरातार्जुनीयम् में कुल श्लोकों की संख्या है–
(क) 1030 (ख) 1040 (ग) 1100 (घ) 1500
113. किरातार्जुनीयम् के किस सर्ग में सुयोधन के चरित्र एवं नीतियों का वर्णन है–
(क) पंचम सर्ग (ख) द्वितीय सर्ग (ग) प्रथम संर्ग (घ) चतुर्थ सर्ग

114. भारवि ने सुयोधन नाम से किसे अभिहित किया है–
(क) दुर्योधन (ख) युधिष्ठिर (ग) अर्जुन (घ) धृतराष्ट्र
115. दुर्योधन से प्रतिशोध लेने की सबसे अधिक आकांक्षा किसे थी–
(क) युधिष्ठिर को (ख) अर्जुन को (ग) भीम को (घ) द्रौपदी को
116. गुप्तचर के रूप में वनेचर कहाँ गया था–
(क) गांधार प्रदेश (ख) हस्तिनापुर (ग) पुष्पपुरी (घ) अलकानगरी
117. वनेचर किस वेश में हस्तिनापुर गया था–
(क) सैन्यवेश में (ख) ब्रह्मचारी के वेश में
(ग) भिक्षुक के वेश में (घ) व्यापारी के वेश में
118. 'सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः।'
किस कवि का कथन है–
(क) माघ (ख) कालिदास (ग) दण्डी (घ) भारवि
119. निरत्ययं साम न दानवर्जितम्'– किस कवि की उक्ति है–
(क) भारवि (ख) भास (ग) व्यास (घ) कालिदास
120. 'न भूरि दानं विरहय्य सत्क्रियाम्' – सूक्ति किस ग्रंथ में है–
(क) मेघदूतम् (ख) काव्यादर्श (ग) किरातार्जुनीयम् (घ) रघुवंशम्
121. ''तथापि वस्तुं व्यवसाययन्ति मां निरस्तनारीसमया दुराधयः।''
– यह पद्यांश कहाँ से समुद्धृत है–
(क) किरातार्जुनीयम् (ख) मेघदूतम् (ग) रघुवंशम् (घ) हरविजयम्
122. जिस छन्द में एक जगण, एक तगण, एक जगण और एक रगण हो उस छन्द का नाम है–
(क) इन्द्रव्रजा (ख) मन्दाक्रान्ता (ग) वंशस्य (घ) उपेन्द्रवज्रा
123. वृत्यनुप्रास है–
(क) अलंकार (ख) छन्द (ग) गुण (घ) रीति
124. अर्थान्तरन्यास है–
(क) छन्द (ख) गुण (ग) रीति (घ) अलंकार
125. 'हेतोर्वाक्यपदार्थता' किस अलंकार का लक्षण है–
(क) उत्प्रेक्षा (ख) काव्यलिङ्ग (ग) दीपक (घ) उपमा
126. 'राजाओं के चरित्र को सामान्य जन के लिए जानना बहुत कठिन होता है' यह किसने कहा है–
(क) वनेचर (ख) युधिष्ठिर (ग) दुर्योधन (घ) अर्जुन
127. 'जेतुम्' का अर्थ है–
(क) चाहना (ख) जीतना (ग) आक्रमण करना (घ) सन्धि करना
128. काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर ये छह कहलाते हैं–
(क) बाह्य शत्रु (ख) राज्योचित गुण
(ग) अन्तःशत्रु (घ) इनमें से कोई नहीं
129. 'भक्त्या' में कौन सी विभक्ति है–
(क) प्रथम (ख) द्वितीया (ग) तृतीया (घ) चतुर्थी ?

130. पुरूषार्थ कितने हैं–
(क) एक (ख) दो (ग) तीन (घ) चार
131. किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग में कुल श्लोकों की संख्या है–
(क) 50 (ख) 46 (ग) 45 (घ) 40
132. माघ की रचना है–
(क) किरातार्जुनीयम् (ख) शिशुपालवधम्
(ग) नैषधीयचरितम् (घ) रघुवंशम्
133. घण्टामाघ किस कवि का उपनाम है–
(क) माघ (ख) भारवि (ग) कालिदास (घ) श्रीहर्ष
134. माघ के पिता का नाम था–
(क) हरदत्त (ख) विष्णुदत्त (ग) दत्तक सर्वाश्रय (घ) दत्तक सर्वेश
135. माघ के पितामह थे–
(क) सुप्रभाकर (ख) सुश्रुत (ग) सुकर्मा (घ) सुप्रभदेव
136. माघ का जन्मस्थान था–
(क) मिथिला (ख) सौराष्ट्र (ग) भीनमाल (घ) महाराष्ट्र
137. 20 सर्गों का महाकाव्य है–
(क) शिशुपालवधम् (ख) किरातार्जुनयीम्
(ग) नैषधीयचरितम् (घ) रघुवंशम्
138. शिशुपालवधम् किस विधा का काव्य है–
(क) गीतिकाव्य (ख) खण्डकाव्य (ग) रूपक (घ) महाकाव्य
139. शिशुपालवधम् का उपजीव्य है–
(क) श्रीमद्भगवद्गीता (ख) श्रीमद्भागवत्
(ग) रामायण (घ) पद्मपुराण
140. शिशुपालवधम् महाकाव्य के नायक हैं–
(क) अर्जुन (ख) युधिष्ठिर (ग) श्रीकृष्ण (घ) श्रीराम
141. शिशुपालवधम् में प्रतिनायक हैं–
(क) शिशुपाल (ख) महीपाल (ग) धर्मपाल (घ) कंस
142. प्रमुख पात्र के रूप में नारद का वर्णन किस महाकाव्य में है–
(क) किरातार्जुनीयम् (ख) शिशुपालवधम्
(ग) नैषधीयचरितम् (घ) हरविजयम्
143. द्वारका व समुद्र वर्णन किस महाकाव्य में हुआ है–
(क) शिशुपालवधम् (ख) किरातार्जुनीयम्
(ग) नैषधीयचरितम् (घ) रघुवंशम्
144. देवर्षि नारद के आगमन का वर्णन शिशुपालवध के किस सर्ग में है–
(क) चतुर्थ (ख) पंचम (ग) प्रथम (घ) द्वितीय
145. शिशुपाल था–
(क) अत्याचारी (ख) भद्र (ग) न्यायप्रिय (घ) सदाचारी

146. शिशुपाल का वध किसने किया–
(क) अर्जुन (ख) युधिष्ठिर (ग) भीम (घ) श्रीकृष्ण
147. श्रीकृष्ण को शिशुपाल के वध के लिए किसने उद्धृत किया
(क) अर्जुन ने (ख) नारद ने (ग) भीम ने (घ) युधिष्ठिर ने
148. शिशुपाल के पूर्व जन्मों का वर्णन किसने किया–
(क) श्रीकृष्ण ने (ख) ब्रह्मा ने (ग) नारद ने (घ) अर्जुन ने
149. महाकवि माघ की कितनी रचना है–
(क) पाँच (ख) सात (ग) दो (घ) एक
150. आकाश से अवतरित होते नारद मुनि की चर्चा किस काव्य में है–
(ख) मेघदूत में (ख) शिशुपालवधम् में
(ग) रघुवंश में (घ) कुमार संभवम् में
151. शिशुपालवधम् में कुल कितने श्लोक हैं–
(क) 1550 (ख) 1750 (ग) 1650 (घ) 1700
152. उपमा, अर्थगौरव और पदलालित्य इन तीनों में सिद्ध कवि हैं–
(क) भारवि (ख) माघ (ग) कालिदास (घ) अश्वघोष
153. 'नवसर्गगते माघे नवशब्दो न विद्यते' इस कथन का आधारग्रंथ है–
(क) शिशुपालवधम् (ख) हरविजयम् (ग) किरातार्जुनीयम् (घ) रघुवंशम्
154. महर्षि नारद द्वारा श्री कृष्ण को किसका संदेश दिया गया–
(क) इन्द्र का (ख) ब्रह्मा का (ग) विष्णु का (घ) शिव का
155. 'श्रियः पतिः श्रीमति शासितुं जगत्.....किस काव्य का पद्यांश है–
(क) किरातार्जुनीयम् (ख) शिशुपालवधम्
(ग) नैषधीयचरितम् (घ) रघुवंशम्
156. 'अम्बरात्' में कौन–सी विभक्ति है–
(क) तृतीया (ख) चतुर्थी (ग) पंचमी (घ) सप्तमी
157. 'प्रसिद्धमूर्ध्वज्वलनं हविर्भुजः' पद्यांश किस काव्य में है–
(क) किरातार्जुनीयम् (ख) नैषधीयचरितम्
(ग) रघुवंशम् (घ) शिशुपालवधम्
158. 'अनूरूसारथेः में विभक्ति है–
(क) षष्ठी (ख) सप्तमी (ग) चतुर्थी (घ) प चमी
159. 'हविर्भुजः' का अर्थ है–
(क) जल का (ख) अग्नि का (ग) वायु का (घ) आकाश का
160. 'विभुर्विभक्तावयवं पुमानिति क्रमादमुं नारद इत्यबोधिसः' किस काव्य से समुद्धृत है–
(क) रघुवंशम् (ख) किरातार्जुनीयम् (ग) शिशुपालवधम् (घ) हरविजयम्
161. 'क्षणं क्षणोत्क्षिप्तगजेन्द्रकृत्तिना स्फुटोपमं भूतिसितेन शम्भुना'– यहाँ नारद का सादृश्य किससे बताया गया है–
(क) ब्रह्मा से (ख) विष्णु से (ग) इन्द्र से (घ) शिव से
162. महाकाव्य में न्यूनातिन्यून कितने सर्ग होने चाहिए–
(क) आठ (ख) सात (ग) चार (घ) पाँच

163. शिशुपालवध में किस पर्वत का वर्णन है–
(क) हिमालय (ख) रैवतक (ग) मलय (घ) विन्ध्य
164. 'क्षणे–क्षणे यन्नवतामुपैति तदेव रूपं रमणीयतायाः' किस ग्रंथ से है–
(क) रघुवंशम (ख) मेघदूतम् (ग) शिशुपालवधम् (घ) शाकुन्तलम्
165. 'सदाभिमानैकधना हि मानिनः' किस ग्रन्थ से है–
(क) शिशुपालवधम् (ख) मेघदूतम् (ग) रघुवंशम् (घ) हरविजयम्
166. 'किमस्ति कार्यं गुरूयोगिनामपि' किस काव्य से है–
(क) मेघदूतम् (ख) शिशुपालवधम् (ग) किरातार्जुनीयम् (घ) शाकुन्तलम्
167. 'अथवा श्रेयसि केन तृप्यते' किस कवि की उक्ति है–
(क) व्यास (ख) भास (ग) कालिदास (घ) माघ
168. 'महीयांसः प्रकृत्या मितभाषिणः' किस कवि की उक्ति है–
(क) माघ (ख) व्यास (ग) भास (घ) कालिदास
169. 'पादाहतं यदुत्थाय मूर्धानमतिरोहति' किस ग्रन्थ से है–
(क) शिशुपालवधम् (ख) हरविजयम् (ग) किरातार्जुनीयम् (घ) मेघदूतम्
170. 'परिभाषेव गरीयसी यदाज्ञा'– किस कवि की उक्ति है–
(क) भास (ख) माघ (ग) कालिदास (घ) व्यास
171. 'पूर्वरंगप्रसंगाय नाटकीयस्य वस्तुतः' किस ग्रन्थ से है–
(क) मेघदूतम् (ख) किरातार्जुनीयम् (ग) शिशुपालवधम् (घ) रघुवंशम्
172. यमक में दो पदों का प्रयोग किया जाता है–
(क) दो बार (ख) चार बार (ग) पांच बार (घ) तीन बार
173. जहाँ वस्तुओं के स्वभाव के अनुसार ही वर्णन हो वहाँ अलंकार होता है–
(क) रूपक (ख) स्वभावोक्ति (ग) सन्देह (घ) उपमा
174. जहाँ एक ही पद में एक से अधिक अर्थ चिपके रहते हैं वह अलंकार होता है–
(क) उत्प्रेक्षा (ख) दीपक (ग) श्लेष (घ) उपमा
175. जो उपमा देने योग्य हो, उसे कहते हैं–
(क) उपमेय (ख) उपमान (ग) साधारण धर्म (घ) अभिधा
176. 'कश्चित् कान्ता विरहगुरूणा स्वाधिकारात्प्रमत्तः' में छन्द है–
(क) वंशस्य (ख) मन्दाक्रान्ता (ग) इन्द्रवज्रा (घ) आर्या
177. छंदोबद्ध रचना को कहते हैं–
(क) चम्पू (ख) नाटक (ग) पद्य (घ) गद्य
178. छन्दों के प्रसंग में गण कहते हैं–
(क) दो वर्णों के समूह को (ख) तीन वर्णों के समूह को
(ग) चार वर्णों के समूह को (घ) पाँच वर्णों के समूह को
179. यक्ष रामगिरि पर्वत पर निवास कर रहा था–
(क) शिकार के उद्देश्य से (ख) तपस्या के लिए
(ग) भ्रमण के कारण (घ) कुबेर के श्राप के कारण

180. मेघदूतम् में यक्ष ने मेघ को दूत क्यों बनाया–
(क) अपनी विरह कथा सुनने के लिए
(ख) अपना संदेश पत्नी तक पहुँचाने के लिए
(ग) प्राकृतिक वर्णन के लिए
(घ) इनमें से किसी कारण से नहीं

181. महाकाव्य की कथावस्तु होती है–
(क) कल्पित (ख) मिश्रित (ग) इतिहास प्रसिद्ध (घ) इनमें से कोई नहीं

182. गीतिकाव्य के रूप में जाना जाता है–
(क) हर्षचरित (ख) बुद्धचरित (ग) रत्नावली (घ) मेघदूत

183. महाकाव्य में अंगीरस नहीं होता–
(क) वीर (ख) शृंगार (ग) रौद्र (घ) करूण

184. महाभारत पर आधारित ग्रन्थ है–
(क) शिशुपालवधम् (ख) रघुवंशम् (ग) रत्नावली (घ) उत्तररामचरितम्

185. इनमें से कौन महाकाव्य नहीं है–
(क) किरातार्जुनीयम् (ख) शिशुपालवधम्
(ग) नैषधीयचरितम् (घ) उत्तररामचरितम्

186. 'माघे मेघे गतं वयः' उक्ति किसकी है–
(क) राजशेखर (ख) मल्लिनाथ सूरि (ग) कालिदास (घ) भाष्कराचार्य

187. इनमें से कौन खण्डकाव्य है–
(क) मेघदूतम् (ख) बुद्धचरितम् (ग) कुमारसम्भवम् (घ) रघुवंशम्

188. 'गृहानुपैत प्रणयादभीप्सवो भवन्ति नापुण्यकृतां मनीषिणः' यह किस ग्रंथ से उद्धृत है–
(क) मेघदूतम् (ख) रघुवंशम् (ग) शिशुपालवधम् (घ) किरातार्जुनीयम्

189. 'पतत्पतङ्गप्रतिमस्तपोनिधिः – यहाँ तपोनिधि से अभिप्रेत है
(क) श्रीकृष्ण (ख) नारद (ग) अर्जुन (घ) युधिष्ठिर

190. 'अच्युत' किसका नाम है–
(क) अर्जुन का (ख) नारद (ग) अर्जुन (घ) युधिष्ठिर

191. 'अ जनद्युति' का अर्थ है–
(क) श्वेत वर्ण का (ख) काले वर्ण का
(ग) नीले वर्ण का (घ) नीला

192. 'शिति' का अर्थ है–
(क) पीला (ख) काला (ग) श्वेत (घ) नीला

193. 'धराधरेन्द्र' से अभिप्रेत है–
(क) रैवतक (ख) विन्ध्य (ग) मन्दार (घ) हिमालय

194. 'अबोधि' किस लकार में है–
(क) लट् (ख) लोट् (ग) लुङ् (घ) लेट्

195. गीता का उपदेश महाभारत के किस पर्व में वर्णित है–
(क) आदिपर्व (ख) विराट पर्व (ग) शान्ति पर्व (घ) भीष्म पर्व

196. श्रीमद्भागवद्गीता के रचयिता हैं–
(क) श्रीकृष्ण (ख) व्यास (ग) वाल्मीकि (घ) अर्जुन
197. गीता विभक्त है–
(क) अध्यायों में (ख) सर्गों में (ग) काण्डों में (घ) उच्छ्वासों में
198. गीता में कुल कितने अध्याय हैं–
(क) 11 (ख) 15 (ग) 18 (घ) 21
199. गीता में कुल कितने श्लोक हैं–
(क) 400 (ख) 500 (ग) 600 (घ) 700
200. कर्मण्येवाधिकारस्ते' किस ग्रंथ में है–
(क) गीता (ख) रामायण (ग) मेघदूत (घ) काव्यादर्श
201. 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' गीता के किस अध्याय में है–
(क) प्रथम (ख) द्वितीय (ग) तृतीय (घ) चतुर्थ
202. 'न जायते म्रियते वा'– किसके लिए कहा गया है–
(क) जीव (ख) पशु (ग) आत्मा (घ) शरीर
203. 'न जायते म्रियते वा' गीता के किस अध्याय में है–
(क) चतुर्थ (ख) पंचम (ग) तृतीय (घ) द्वितीय
204. लोकमान्य तिलक की गीता व्याख्या कहलाती है–
(क) गीताभाष्यम् (ख) गीतारहस्यम् (ग) गीतामंजरी (घ) ज्ञानेश्वरी
205. शंकराचार्य द्वारा लिखित गीता की टीका को कहा जाता है
(क) गीताभाष्य (ख) गीतारहस्यम् (ग) ज्ञानेश्वरी (घ) विवेचनी
206. स्वामी दयानन्द द्वारा रचित गीता की व्याख्या है–
(क) गीताभाष्य (ख) गीतारहस्य (ग) विवेचनी (घ) इनमें से कोई नहीं
207. सर्वप्रथम गीता का अंग्रेजी अनुवाद किसने किया–
(क) कर्नल जैकन (ख) चार्ल्स विल्किंस (ग) बेबर (घ) ग्रीफिथ
208. महात्मा गांधी द्वारा गीता पर लिखा गया ग्रन्थ हैं–
(क) अनासक्तियोग (ख) गीतारहस्यम्
(ग) गीताभाष्यम् (घ) गीतामहात्म्य
209. संत ज्ञानेश्वर द्वारा रचित ज्ञानेश्वरी में किस ग्रंथ की व्याख्या है–
(क) वेद (ख) पुराण (ग) गीता (घ) रामायण
210. आचार्य विनोबा भावे ने गीता पर कौन सा ग्रंथ लिखा है–
(क) गीतारहस्य (ख) गीतासार (ग) ज्ञानयोग (घ) गीताई
211. महाभारत विभक्त है–
(क) काण्डों में (ख) अध्यायों में (ग) पर्वों में (घ) उच्छ्वासों में
212. महाभारत युद्ध कितने दिनों तक चला था–
(क) 18 दिन (ख) 15 दिन (ग) 10 दिन (घ) 21 दिन
213. महाभारत के प्रणेता हैं–
(क) भास (ख) कालिदास (ग) व्यास (घ) भवभूति

214. महाभारत में कुल कितने पर्व हैं–
(क) 15 (ख) 18 (ग) 21 (घ) 25
215. प्रस्थानत्रयी में इनमें से कौन–सा ग्रंथ है–
(क) मेघदूत (ख) प्रस्थानमयूरव (ग) पंचतन्त्र (घ) गीता
216. गीता के द्वितीय अध्याय का नाम है–
(क) सांख्य–योग (ख) कर्मयोग (ग) पारिजात (घ) ज्ञानसर्वस्व
217. गीता में 'देही' किससे कहा गया है–
(क) जीव को (ख) ईश्वर को (ग) ज्ञानी को (घ) आत्मा को
218. श्रीकृष्ण अर्जुन संवाद गीता के किस अध्याय में वर्णित है–
(क) प्रथम (ख) द्वितीय (ग) तृतीय (घ) चतुर्थ
219. शरीर की नश्वरता गीता के किस अध्याय में वर्णित है–
(क) पंचम (ख) चतुर्थ (ग) तृतीय (घ) द्वितीय
220. 'देहिनोऽस्मिन्यथा देहे कौमारं यौवनं जरा।
तथा देहान्तप्राप्तिर्धीरस्तत्र न मुह्यति।।''– किस ग्रंथ में है–
(क) गीता (ख) रामायण (ग) नीतिशतक (घ) श्रृंगारशतक
221. 'इन्द्रियों और विषयों के संयोग उत्पत्ति–विनाशील है' यह किसका उपदेश है–
(क) युधिष्ठिर का (ख) भीष्म पितामह का
(ग) श्रीकृष्ण का (घ) अर्जुन का
222. श्रीकृष्ण द्वारा भारत! कहकर किसे संबोधित किया गया है–
(क) कर्ण को (ख) युधिष्ठिर को (ग) अभिमन्यु को (घ) अर्जुन को
223. 'नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः' किस ग्रन्थ में है–
(क) मेघदूत में (ख) नीतिशतक में (ग) गीता में (घ) पंचतंत्र में
224. 'अविनाशि तु तद्विद्धि येन सर्वमिदं तत्' – कहाँ से उद्धृत है–
(क) नारदसंहिता से (ख) गीता से (ग) रामायण से (घ) नलचम्पू से
225. अविनाशी का विनाश करने में कोई समर्थ नहीं है– यहाँ अविनाशी से तात्पर्य है–
(क) शरीर (ख) व्यक्ति (ग) आत्मा (घ) संपत्ति
226. गीता के अनुसार नाशरहित है–
(क) आत्मा (ख) शरीर (ग) कर्मेन्द्रिय (घ) व्यक्ति
227. गीता के अनुसार अप्रमेय है–
(क) आत्मा (ख) शरीर (ग) व्यक्ति (घ) संपत्ति
228. गीता के अनुसार नित्यस्वरूप है–
(क) शरीर (ख) व्यक्ति (ग) संपत्ति (घ) आत्मा
229. 'य एनं वेत्ति हन्तारं यश्चैनं मन्यते हतम्।
उभौ तौ न विजानीतो नायं हन्ति न हन्यते।। – किस ग्रन्थ में है–
(क) भागवत से (ख) छन्दःशास्त्र से (ग) गीता से (घ) नीतिशतक से

230. 'न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः– किसके सम्बन्ध में कहा गया है–
(क) शरीर (ख) माया (ग) अर्जुन (घ) आत्मा
231. 'अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे।' किसके सम्बन्ध में कहा गया है–
(क) शरीर (ख) मुनि (ग) आत्मा (घ) रथ
232. गीता के अनुसार सनातन है–
(क) आत्मा (ख) शरीर (ग) राज्य (घ) सम्पदा
233. गीता के अनुसार शाश्वत है–
(क) सम्पत्ति (ख) शरीर (ग) आत्मा (घ) इनमें से कोई नहीं
234. गीता में अजन्मा कहा गया है–
(क) आत्मा को (ख) शरीर को (ग) काया को (घ) इनमें से कोई नहीं
235. शरीर के मारे जाने पर भी कौन नहीं मारा जाता–
(क) अर्जुन (ख) आत्मा (ग) कर्ण (घ) इन्द्रिय
236. 'वेदाविनाशिनं नित्यं य एनमजमव्ययम्' कहाँ से लिया गया है–
(क) रामायण से (ख) गीता से (ग) मेघदूत से (ग) रघुवंश से
237. 'वासांसि' का अर्थ हैं–
(क) वस्तु (ख) धन (ग) मुद्रा (घ) वस्त्र
238. 'वासांसि जीर्णानि' का अर्थ है–
(क) नवीन वस्त्र (ख) पुराना वस्त्र
(ग) रंगीन वस्त्र (घ) इनमें से कोई नहीं
239. गीता के अनुसार किसे अग्नि नहीं जला सकती–
(क) आत्मा को (ख) शरीर को (ग) इन्द्रिय को (घ) इनमें से सबको
240. किसको शस्त्र नहीं काट सकते–
(क) इन्द्रिय को (ख) शरीर को (ग) आत्मा को (घ) इन सभी को
241. किसे वायु नहीं सुखा सकता है–
(क) आत्मा (ख) इन्द्रिय (ग) शरीर (घ) इन सभी को
242. 'नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः' किसके सम्बन्ध में है–
(क) शरीर (ख) आत्मा (ग) सम्पत्ति (घ) इनमें से कोई नहीं
243. 'न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारूतः – कहाँ से गृहीत हैं–
(क) रामायण (ख) मेघदूत (ग) मनुस्मृति (घ) गीता
244. 'अच्छेद्योऽयमदाह्योऽयमक्लेद्योऽशोष्य एव च' किसके संबंध में है–
(क) आत्मा (ख) शरीर (ग) इन्द्रिय (घ) इनमें से कोई नहीं
245. 'नित्यः सर्वगतः स्थाणुरचलोऽयं सनातनः' किसके संबंध में है–
(क) शरीर (ख) आत्मा (ग) इन्द्रिय (घ) इनमें से कोई नहीं
246. 'अव्यक्तोऽयमचिन्त्योऽयमविकार्योऽमुच्यते' किसके संबंध में है–
(क) इन्द्रिय (ख) शरीर (ग) आत्मा (घ) इनमें से कोई नहीं

247. 'तस्मादेवं विदित्वैनं नानुशोचितुमर्हसि' किसने किसको कहा–
(क) युधिष्ठिर ने द्रौपदी को (ख) कृष्ण ने अर्जुन को
(ग) भीष्म ने दुर्योधन को (घ) इनमें से कोई नहीं
248. गीता के अनुसार आत्मा है–
(क) व्यक्त (ख) व्यक्ताव्यक्त (ग) अव्यक्त (घ) इनमें से कोई नहीं
249. गीता के अनुसार आत्मा है–
(क) विकारी (ख) अविकारी (ग) व्यक्त (घ) इनमें से कोई नहीं
250. गीता के अनुसार आत्मा है–
(क) मरणशील (ख) अमर (ग) विकारी (घ) व्यक्त
251. 'शतकत्रयम् के रचयिता है–
(क) भर्तृहरि (ख) कालिदास (ग) भास (घ) व्यास
252. 'शतकत्रयम्' में परिगणित नहीं है–
(क) वाक्यपदीयम् (ख) श्रृङ्गारशतक (ग) नीतिशतक (घ) वैराग्यशतक
253. 'नीतिशतकम्' के प्रणेता हैं–
(क) कालिदास (ख) भास (ग) चाणक्य (घ) भर्तृहरि
254. 'नीतिशतकम्' में कुल पद्यों की संख्या है–
(क) 108 (ख) 111 (ग) 100 (घ) 105
255. 'नीतिशतकम्' का मंगलाचरण है–
(क) आशीर्वादात्मक (ख) नमस्क्रियात्मक
(ग) वस्तुनिर्देशात्मक (घ) इनमें से कोई नहीं
256. 'नीतिशतकम्' के मंगलाचरण में किसकी स्तुति की गई है–
(क) परमात्मा की (ख) विष्णु की (ग) गणेश की (घ) शिव की
257. नीतिशतकम् में मूर्खों का उत्तम अभूषण बतलाया गया है–
(क) ज्ञान को (ख) उत्तम वस्त्र को (ग) स्वर्णकङ्कण को (घ) मौन को
258. न जानने वाले (मूर्ख) को प्रसन्न करना है–
(क) कठिन (ख) सरल (ग) दुस्साहस (घ) दुर्लभ
259. 'अज्ञः' का अर्थ है–
(क) ज्ञानी (ख) अज्ञानी (ग) अन्तर्यामी (घ) इनमें से कोई नहीं
260. लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन् ..कहाँ से उद्धृत है–
(क) नीतिशतक (ख) शृंगारशतक (ग) वाक्यपदीय (घ) मेघदूत
261. 'प्रसह्य' में प्रत्यय है–
(क) शतृँ (ख) शानच् (ग) ण्वुल (घ) ल्यप्
262. 'विशेषतः सर्वविदां समाजे, विभूषणं मौनमपण्डितानाम्'– यह पद्यांश कहाँ से गृहीत है–
(क) वाक्यपदीय (ख) शृंगारशतक (ग) नीतिशतक (घ) हितोपदेश
263. 'विधात्रा' में कौन सी विभक्ति है–
(क) प्रथम (ख) तृतीया (ग) चतुर्थी (घ) षष्ठी

264. 'यदा किंचिज्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्धः समभवं' – कहाँ से उद्धृत है–
(क) नीतिशतक (ख) वाक्यपदीय (ग) मेघदूत (घ) रघुवंश
265. 'यदा किंचित्किंचिद्बुधजनसकाशादवगतं, तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगतः।' किस कवि की उक्ति है–
(क) कालिदास (ख) भर्तृहरि (ग) वाल्मीकि (घ) व्यास
266. 'व्यपगतः' का अर्थ है–
(क) पास आ गया (ख) नीचे गया (ग) दूर हो गया (घ) समझ गया
267. 'न हि गणयति क्षुद्रो जन्तुः परिग्रहफल्गुताम्'– किस ग्रंथ में है–
(क) वाक्यपदीय (ख) काव्यादर्श (ग) हितोपदेश (घ) नीतिशतक
268. 'खादन्' में प्रत्यय है–
(क) शतृँ (ख) क्यप् (ग) ल्यप् (ग) ण्वुल्
269. 'सुरपति' हैं–
(क) विष्णु (ख) इन्द्र (ग) कुबेर (ग) यक्ष
270. 'अवनि' का अर्थ है–
(क) आवाश (ख) सूर्य (ग) पृथ्वी (घ) वायु
271. 'विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः' सूक्ति किसकी है–
(क) भास (ख) माघ (ग) भर्तृहरि (घ) श्रीकृष्ण
272. 'पशुपति' कहते हैं–
(क) शिव को (ख) ब्रह्मा को (ग) विष्णु को (घ) दुर्गा को
273. 'क्षितिधर' किस पर्वत का पर्याय है–
(क) मन्दारपर्वत (ख) विन्ध्यपर्वत (ग) रैवतक पर्वत (घ) हिमालय पर्वत
274. 'जलधि' का अर्थ है–
(क) नदी (ख) समुद्र (ग) तालाब (घ) नहर
275. 'महीध्रात्' का अर्थ है–
(क) पर्वत से (ख) स्वर्ग से (ग) नरक से (घ) पृथ्वी से
276. 'द्विप' का अर्थ हैं–
(क) स्वर्ण (ख) हाथी (ग) गाय (घ) अश्व
277. 'वज्रमणि' का अर्थ है–
(क) स्वर्ण (ख) नीलम (ग) गोमेद (घ) हीरा
278. 'कदाचिदपि पर्यट छशविषाणमासादयेत् न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजन–चित्तमाराधयेत्' किस ग्रंथ में उल्लिखित है–
(क) वाक्यपदीय (ख) मेघदूतम् (ग) नीतिशतक (घ) शृंङ्गारशतक
279. 'भुजङ्गमपि कोपितं शिरसि पुष्पवद्धारयेत्, न तु प्रतिनिविष्टमूर्ख जनचित्तमाराधयेत्।'– किस ग्रंथ से उद्धृत है–
(क) गीता (ख) शृंगारशतक (ग) नीतिशतक (घ) वाक्यपदीय
280. 'धिक् तां च तं च मदनं च इमां मां च' किस ग्रंथ में है–
(क) नीतिशतक (ख) मेघदूत (ग) गीता (घ) वाक्यपदीय

281. 'दिक्कालाद्यनवच्छिन्नानन्तचिन्मात्रमूर्तये' किसके लिए कहा गया है–
(क) जीव के लिए (ख) परमात्मा के लिए
(ग) अज्ञानी के लिए (घ) इनमें से कोई नही
282. 'विभूषणं मौनमपण्डितानाम्' सूक्ति किस ग्रंथ में है–
(क) गीता में (ख) श्रृंगारशतक में
(ग) नीतिशतक में (घ) मेघदूत में
283. 'सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम्' कहाँ से उद्धृत है–
(क) वाक्यपदीय (ख) गीता (ग) रघुवंश (घ) नीतिशतक
284. 'मूर्खस्य नास्त्यौषधम्' किस कवि की उक्ति है–
(क) भर्तृहरि की (ख) कालिदास की (ग) भास की (घ) व्यास की
285. 'प्रारब्धमुत्तमजनाः न परित्यजन्ति' किस ग्रंथ में है–
(क) श्रृंगारशतक में (ख) नीतिशतक में
(ग) गीता में (घ) मेघदूत में
286. 'मनस्वी कार्यार्थी न गणयति दुःखं न च सुखम्' किस ग्रन्थ में है–
(क) नीतिशतक में (ख) श्रृंगार शतक में
(ग) गीता में (घ) वाक्यपदीय में
287. 'सर्वे गुणाः का चनमाश्रयन्ते' किसकी उक्ति है–
(क) कालिदास की (ख) श्रीकृष्ण की (ग) अर्जुन की (घ) भर्तृहरि की
288. 'न्याय्यात्पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः' किस ग्रंथ से है–
(क) गीता से (ख) नीतिशतक से (ग) मेघदूत से (ख) रामायण से
289. 'विधिरहो बलवानिति मे मतिः' किसकी उक्ति है–
(क) भर्तृहरि की (ख) श्रीकृष्ण की (ग) युधिष्ठिर की (घ) माघ की
290. भर्तुहरि के अनुसार कान की शोभा है–
(क) कुण्डल (ख) आभूषण (ग) शास्त्र–श्रवण (घ) कंगन
291. भर्तृहरि के अनुसार हाथ की सार्थकता है–
(क) दान (ख) कंगन (ग) प्रहार (घ) इनमें से कोई नहीं
292. नीतिशतक के प्रणेता भर्तृहरि की पत्नी थी–
(क) विद्योत्तमा (ख) कादम्बरी (ग) पिंगला (घ) यक्षिणी
293. इनमें से कौन भर्तृहरि की रचना नहीं है–
(क) श्रृंगारशतक (ख) नीतिशतक (ग) वैराग्यशतक (ग) हितोपदेश
294. श्रीकृष्ण के सुवर्ण सिंहासन पर विराजमान होने की तुलना शिशुपालवधम् में किससे की गई है–
(क) सुमेरू पर्वत की चोटी से (ख) हिमालय पर्वत की चोटी से
(ग) कैलाश पर्वत की चोटी से (घ) विन्ध्य पर्वत की चोटी से
295. 'बहिर्विकारं प्रकृतेः पृथग्विदुः पुरातन त्वां पुरूषं पुराविदः' – यहाँ माघ ने किस दर्शन की बात कही है–
(क) न्याय दर्शन (ख) सांख्य–दर्शन (ग) वेदान्त दर्शन (घ) चार्वाक दर्शन

296. 'रणेषु' तस्य प्रहिताः प्रचेतसा सरोषहुङ्कारपराङ्गमुखीकृता' किस ग्रंथ से उद्धृत है–
(क) शिशुपालवधम् (ख) मेघदूतम्
(ग) शिशुपालवधम् (घ) हरविजयाम्

297. 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' यह आभाणक किस ग्रंथ के आधार पर कहा गया है–
(क) शिशुपालवधम् (ख) किरातार्जुनीयम्
(ग) नैषधीयचरितम् (घ) हरविजयाम्

298. इनमें से कौन कालिदास की रचना नहीं है–
(क) मेघदूतम् (ख) रघुवंशम् (ग) विक्रमोर्वशीयम् (घ) हरविजयम्

299. इनमें से कौन गीतिकाव्य है–
(क) विक्रमोर्वशीयम् (ख) मेघदूतम्
(ग) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (घ) रघुवंशम्

300. मेघ द्वारा संदेश–प्रेषण का वर्णन किस काव्य में हुआ है–
(क) पवनदूतम् (ख) मेघकाव्यम् (ग) मेघदूतम् (घ) ऋतुसंहारम्

♣♣♣♣♣